THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PRABHUDAS PATEL): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

विश्व हिन्दी सम्मेलन

2812. **श्री जनेश्वर मिश्र** : क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को हाल ही में भारत में हुए विश्व हिन्दी सम्मेलन में पारित प्रस्ताव की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं;

(ग) क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि उक्त सम्मेलन में भाग लेने वाले कुछ हिन्दी प्रेमी विदेशी लोगो ने इस आशय के विचार व्यक्त किये थे कि जब तक हिन्दी स्वराज्य में प्रतिष्ठित नही होती है तब तक इसे विदेशों में मान्यता देना निरर्थक है; और

(घ) उक्त प्रस्ताव के बारे मे सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उपमंत्री (श्री डी० पी० यादव) (क) से (घ). हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की अधिकारिक भाषाओं में से एक भाषा के रूप में स्वीकृत करने के संबंध में सम्मेलन द्वारा जनिमत से एक प्रस्ताव पारित किया गया था। सरकार इस बात का स्वागत करती है। राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा ने, जिसने इस सम्मेलन का आयोजन किया था, विदेशों से भाग लेने वाले प्रतिनिधियों द्वारा तथाकथित रूप से व्यक्त किये गये विचारों को सरकार के पास नहीं भेजा है। तथापि, हिन्दी पहले से ही भारत संघ की राजभाषा है और संविधान के अनुच्छेद 351 के अन्तर्गत अपने विशेष दायित्व को ध्यान में रखते हुए, देश की सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी के प्रसार एवं विकास के लिए केन्द्रीय सरकार के विशेष प्रयास जारी हैं।

मध्य प्रदेश में मस्तूरी विकास खण्ड में भुखमरी की दशा

2813. **श्री फूलचन्द वर्मा** : क्या **कृषि और सिंचाई** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 6 अक्तूबर, 1974 के इन्दौर से प्रकाशित होने वाले एक दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि मध्य प्रदेश में बिलासपुर के मस्तूरी विकास खण्ड के मुलाटर गाव में एक पति-पत्नी की भूख से मृत्यु हो गई है;

(ख) क्या गांव की पंचायत के 6 पंचों ने कहा है कि वहां पर सैकड़ो लोगों की हालत नाजुक है; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गयी है तथा भूखमरी से निपटने हेतु क्या उपाय करने का विचार है?

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय में उप मंत्री (श्री प्रभुदास पटेल): (क) से (ग) जानकारी एकत्रित की जा रही है और प्राप्त होते ही सभा पटल पर रख दी जायेगी।